



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत सभान्धा२	13-10-23	11	6-8

हृषि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

हिसार, 12 अक्टूबर (विरेन्द्र बर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा के हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, चरखी दादरी, झज्जर, जींद, व हनुमानगढ़ (राजस्थान) जिलों से आए प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार तो है ही इसके अलावा इनमें कई औषधीय गुण भी मौजूद होते हैं जो मनुष्य को निरोगी बनाने में सहायक होते हैं। मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं। मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जिनमें सफेद बटन



हृषि के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर मौजूद वैज्ञानिक व प्रतिभागी।

मशरूम, ओवस्टर या ढोंगरी, मिल्की या दूधिया मशरूम, धान के पुवाल की मशरूम इत्यादि उगाकर सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मनुष्य के आहार में मशरूम की महता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार है जिसमें प्रोटीन, विटामिन, खनिज लवण आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पादन एक सरल व सस्ता व्यवसाय है जिसे दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भाष्टकू	13-10-23	03	5-6

एचएयू में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न



हिसार एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। इसमें हरियाणा के हिसार, फतेहबाद, सिरसा, चरखी-दादरी, झजर, जींद व हनुमानगढ़ (राजस्थान) जिलों से आए प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार तो है ही, इनमें कई औषधीय गुण भी मौजूद होते हैं जो मनुष्य को निरोगी बनाने में सहायक होते हैं। मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित

एवं अशिक्षित, युवक व युवतियों द्वारा ज्ञान के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं। मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जिनमें सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर या ढीगरी, मिल्की वा दूधिया मशरूम, धान के पुवाल की मशरूम आदि उगाकर सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है।

प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार, इस प्रशिक्षण दैरान डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. विकास हुड़ा, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. राकेश चूध, डॉ. पवित्रा, डॉ. अमोघवर्ण, डॉ. विकास काम्बोज व डॉ. अनिल वत्स ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूत ३जाला	13-10-23	०२	०४

मशरूम आचार व पापड़ बनाने की विधि सिखाई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, चरखी दादरी, झज्जर, जौद, व हनुमानगढ़ (राजस्थान) जिलों से आए प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने मशरूम प्रसंस्करण जैसे डिव्वाबंदी, आचार, बिस्कुट, पापड़ इत्यादि बनाने की विधि पर भी प्रकाश डाला। इस मौके पर डॉ. डीके शर्मा, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. विकाश हुइडा, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. राकेश चूध, डॉ. पवित्रा, डॉ. अमोघवर्णा, डॉ. विकास काम्बोज व डॉ. अनिल वर्त्तमान मौजूद रहे। संवाद



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केन्द्री	13-10-23	04	7-8

हक्कि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण सम्पन्न

हिसार, 12 अक्टूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा के हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, चरखी वादरी, झज्जर, जीद, व हनुमानगढ़ (राजस्थान) जिलों से आए प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा, प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने मशरूम की महता पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण दौरान डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. विकाश हुड़ा, डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	12.10.23	---	---

हिन्दुस्थान समाचार ०



हिसार कम लागत में शुरू किया जा सकता मशरूम
ब्यवसाय डॉ. अशोक गोदारा

15वं । ११०७८०



हरियाणा में मशरूम उत्पादन तकनीक पर लैन दिवसीय प्रशिक्षण का समाप्तन
हिसार १२ अक्टूबर (हि. ८.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथन् नेहरूत
कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर
लैन दिवसीय प्रशिक्षण जा समाप्तन गुरुवार जो हुआ।

इस प्रशिक्षण में हरियाणा के हिसार, फरीडाबाद, सिरसा, चरखी दावरी, झज्जर,
जीद, व भनुपालगढ़ (राजस्थान) जिलों से अए प्रशिक्षणियों ने भाग लिया।

इस ब्रह्मसर पर संस्थान के काह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने
कहा कि मशरूम एक संतुलित आषार हो है ही इसके अलावा इनमें कई औषधीय
गुण भी मौजूद होते हैं जो मनुष्य को निरोगी बनाने में काहात्मक होते हैं। मशरूम
उत्पादन एक ऐसा ब्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में बुरा किया जा सकता
है और भूमिहीन, लिकित एवं अविकित, पुरुक व युवतियों हस्ते स्व-नोकरार के रूप
में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं। मशरूम जी डिप्लोम प्रज्ञातियों जिनमें सौंदर
बहन मशरूम, औषधर व छीरी, मिलकी या दूधिया मशरूम धान के पुष्कर
जी मशरूम इत्यादि उत्पादक चारा चाट और सम के हिसाब से इसका उत्पादन
किया जा सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	12.10.23	--	--

मशरूम एक संतुलित आहार, मनुष्य को निरोगी बनाने में सहायक : गोदारा

नम-छोर न्यूज ॥ 12 अक्टूबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, चरखी दादरी, झज्जर, जीद, व हनुमानगढ़ (राजस्थान) जिलों से आए प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार तो है ही इसके अलावा इनमें कई औषधीय गुण भी मौजूद होते हैं जो मनुष्य को निरोगी बनाने में सहायक होते हैं। मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ सतीश कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मनुष्य के आहार में मशरूम की महता पर प्रकाश डालता। उन्होंने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार है जिसमें ग्रोटीन, विटामिन, खनिज तत्वण आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पादन एक सरल व सस्ता व्यवसाय है जिसे स्त्री व पुरुष दोनों ही कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण द्वारान डॉ. डीके शर्मा, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. विकास हुड्डा, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. राकेश चूध, डॉ. पवित्रा, डॉ. अमोघवर्षा, डॉ. विकास काम्योज व डॉ. अनिल वत्स ने मशरूम उत्पादन से संबोधित विषयों पर व्याख्यान दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	12.10.23	--	--

∞ सिटीपल्स
लिंगर

हिसार-आसपास

हकृति में मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण का समापन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा के हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, चरखी दादरी, झज्जर, जीट, बहनुमानगढ़ (राजस्थान) जिलों से और प्रशिक्षणार्थी ने भाग लिया। इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सहनिदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम एक महत्वित आहार होता है और इसके अलावा इनमें कई औषधीय गुण भी मौजूद होते हैं जो मनुष्य को नियंत्री बनाने में महानक होते हैं। मशरूम



प्रशिक्षण के समाप्ति आवार पर गोदारा देवालिक व श्रीमती।

उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिकोन, शिखित एवं अंगीकृत, पुरुष व पुर्णिमा इसे

सब-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वाक्षरतावाली बन सकते हैं। मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जिनमें सफेद बटन मशरूम, और प्रस्तुर या हींगरी, मिल्की

या दुधिया मशरूम, धन के पुकाल की मशरूम इत्यादि उपकार सारा मान मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है।

प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतोश कुमार ने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार है जिसमें प्रोटीन, विटामिन, खनिज लक्षण आदि भव्य भूमिका में पाए जाते हैं। इस प्रशिक्षण में मशरूम प्रसंस्करण जैसे डिल्वर्जेटी, आचार, चिक्कट, पापड़, नगेट्स इत्यादि बनाने की विधि पर भी प्रकाश डाला। इस प्रशिक्षण द्वारा डॉ. श्री. के. राम्भ, डॉ. मंदीप भाकर, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. विकास हुइडा, डॉ. भूषण देवाली, डॉ. गोदारा चूथ, डॉ. परिज्ञा, डॉ. अमौष्यली, डॉ. विकास काम्पोज व डॉ. अनिल कम्पन ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।